38 .53 करोड़ से होना है नहरों की मरम्मत-पक्कीकरण, बजट स्वीकृत नहीं

नवभारत न्यूज

बैतूल, 29 मार्च. जल संसाधन विभाग ने जिले के 52 जलाशयों की नहरों के सुधार और कायाकल्प की योजना बनाकर शासन को भेजी थी, लेकिन बजट स्वीकृत नहीं हो सका। बजट के अभाव में नहरों का सुधार और कायाकल का कार्य अटका हुआ है।

मंत्रालय में लंबित है प्रस्ताव की फाइल

बजट मिलने के बाद शुरू होगा मरम्मत का काम

बता दे कि यह योजना पिछले एक साल से बजट स्वीकृति का इंतजार कर रही है। इस योजना में जिले के बैतूल डिवीजन की 40 और मुलताई डिवीजन की 12 नहरे यानि बैतूल, घोड़ाडोंगरी, भैंसदेही, भीमपुर, शाहपुर, चिचोली, आठनेर और मुलताई विकासखंड के कुल 52 जलाशयों की नहरों को शामिल किया गया है। इन जलाशयों की नहरें लंबे समय से जर्जर अवस्था में हैं। कई जगह नहरों की दीवारें टूट चुकी हैं और पानी का रिसाव लगातार हो रहा है। अब तक विभाग को नहरों की मरम्मत के लिए बहुत सीमित बजट मिलता था, जिससे केवल नहरों की सफाई जैसे सामान्य कार्य ही हो पाते थे। नहरों की संरचनात्मक मरम्मत नहीं होने के कारण रबी सीजन में जब पानी छोड़ा जाता है तो काफी मात्रा में पानी रास्ते में ही बर्बाद हो जाता है और अंतिम छोर तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता। जिससे किसान फसलों को पर्याप्त पानी नहीं दे पाते और परिणाम स्वरूप उत्पादन कम होता है।

बजट का इंतजार, टेल एरिया के किसानों को मिलेगी

राहत : विभागीय के मुताबिक नहर सुधार योजना की फाइल मंत्रालय तक पहुंच चुकी है और प्रक्रिया में है। अधिकारियों का कहना है कि यह योजना आरआरआर (रीपेयर, रेनोवेशन एंड रिस्टोरेशन) मद के तहत तैयार की है। बजट स्वीकृति के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर सहमति जरूरी है। दोनों की मंजूरी मंजूरी मिलने के बाद ही राशि जारी होगी और इसके बाद ही काम शुरू हो सकेगा। बताया जा रहा है कि नहरों के सुदृढ़ीकरण के बाद किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा और टेल एरिया में पानी नहीं मिलने जैसी समस्या काफी हद तक दूर हो सकेगी। फिलहाल विभाग बजट के स्वीकृति का इंतजार कर रहा है। जैसे ही बजट मिलेगा, योजना पर काम शुरू हो जाएगा। विभाग के अनुसार इस परियोजना से लगभग 4,151 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा विकसित होगी। जिससे हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। यदि इस योजना पर काम शुरू होता है तो टेल एरिया के किसानों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। अभी नहरों की खराब स्थिति के कारण खेतों तक पानी नहीं पहुंच पाता है, जिससे किसानों को वैकल्पिक सिंचाई साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है।

38 .53 करोड़ का बनाया है प्रस्ताव

जल संसाधन विभाग ने जिले की 52 नहरों के सुधार, कायाकल्प और पक्कीकरण के लिए करीब एक वर्ष पहले 38 करोड़ 53 लाख रुपए की लागत का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था, लेकिन राशि जारी नहीं हो पाई है। इससे नहर सुधार कार्य शुरू नहीं हो सके हैं। विभाग के अनुसार इस परियोजना से लगभग 4,151 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा विकसित होगी। जिससे हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। यदि इस योजना पर काम शुरू होता है तो टेल एरिया के किसानों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। अभी नहरों की खराब स्थिति के कारण अंतिम छोर के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पाता है, जिससे किसानों को वैकल्पिक सिंचाई साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है।

नहरों के सुधार, मरम्मत एवं नहर पक्कीकरण के लिए आरआरआर मद में शासन से 38.53 करोड़ रुपए की अनुशंसा की गई है। संभावना है कि आगामी वित्तीय वर्ष के बजट में इसे स्वीकृति मिल जाये। दरअसल इसमें केंद्र और राज्य सरकार के माध्यम से बजट स्वीकृत होना है।

- रोशन कुमार सिंह, ईई जलसंसाधन विभाग

आगामी रबी सीजन में एक लाख हेक्टेयर सिंचाई का लक्ष्य

जल संसाधन विभाग के अनुसार बैतूल-मुलताई डिवीजन में आगामी रबी सीजन के लिए लगभग 1 लाख हेक्टेयर सिंचाई का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें 74,115 हेक्टेयर क्षेत्र नहरों के माध्यम से और 25,885 हेक्टेयर क्षेत्र माइक्रो इरिगेशन प्रणाली से सिंचित करने की योजना है। वर्धा और पारसडोह जलाशयों से माइक्रो इरिगेशन के माध्यम से सिंचाई का विस्तार किया जाएगा, जबकि घोघरी जलाशय से पहली बार 7 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का परीक्षण प्रस्तावित है। इसके लिए मैदानी स्तर पर इंजीनियरों और एसडीओ की जिम्मेदारी तय की जाएगी, ताकि कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। योजना पूरी होने के बाद न केवल सिंचाई क्षमता बढ़ेगी बल्कि पानी की बर्बादी भी रुकेगी।

एक नजर में

महावीर जयंती पर 30 मार्च को रहेगा अवकाश

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जनभावनाओं एवं स्थानीय परिस्थितियों के दृष्टिगत महावीर जयंती के उपलक्ष्य में 30 मार्च को जिले में सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया है। पूर्व में घोषित 31 मार्च के स्थान पर अब 30 मार्च को अवकाश रहेगा। 31 मार्च को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं पूर्ववत खुले रहेंगे।

भाजपा ने 6 एल्डरमैनों की की नियुक्ति

मुलताई। मध्य प्रदेश शासन के नगरी विकास विभाग द्वारा नगर पालिका परिषद मुलताई में नवनियुक्त मनोनीत पार्षदो एल्डरमैन को भाजपा संगठन द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं देकर वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त किया गया। भाजपा मीडिया प्रभारी रामचरण मालवीय की जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिका परिषद मुलताई में मध्य प्रदेश शासन नगरीय विकास विभाग द्वारा पूर्व पार्षद श्यामू ढोमने, बीना पंजाबी, सुनीता नागले, प्रीतम सिसोदिया, पूर्व पार्षद राजू चौबे, नगर मंडल महामंत्री निलेश चावरिया को एल्डरमैन बनाया गया। नवनियुक्त मनोनीत पार्षदों (एल्डरमैन) को भाजपा संगठन पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं श्रेष्ठ जस्ट कार्यकर्ताओं द्वारा हार्दिक बधाई हो शुभकामनाएं देकर वरिष्ठ नेतृत्व का आभार जताया गया। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से विधायक चंद्रशेखर देशमुख, नपा अध्यक्ष वर्षा गढेकर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जगदीश पवार, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गणेश साहू, नगर मंडल महामंत्री राघवेंद्र रघुवंशी, नगर मंडल उपाध्यक्ष अभिषेक खंडेलवाल, महिला मोर्चा जिला मंत्री कंचन पठाडे, महिला मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष सुधा परमार, संजय सोनी, नगर मंडल मंत्री जया जैन, सोनम पहाडे सहित अन्य शामिल है।

गेहूं की फसल में आग 4 एकड़ फसल खाक

मुलताई। ग्राम पिपरिया में रविवार सुबह करीब 10 बजे किसान हेमराज चिकाने के खेत में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई। इस अग्निकांड में लगभग 4 एकड़ गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई, जिससे किसान को करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात है। हालांकि, तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली और देखते ही देखते खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया।

शिव शक्ति धाम बावड़ी परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड भीमपुर के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत बेला में स्थित शिव शक्ति धाम बावड़ी परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था नव एकलव्य मानव सेवा समिति खुर्दा एवं जनकल्याण संस्था कुंड बकाजन के सहयोग से किया गया। साथ ही मास्टर ऑफ सोशल वर्क एवं बैचलर ऑफ सोशल वर्क के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान श्रमदान के माध्यम से बावड़ी के चारों ओर साफ-सफाई कर जल स्रोत के

संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता लवकेश मोरसे, पूजा मोरले, विजेश इरपाचे, दीपिका सराठे एवं ग्राम पंचायत बेला के रोजगार सहायक सुरेश विश्वकर्मा सहित प्रस्फुटन समिति के सदस्य गुन्नू उईके, अलकेश कुदारे एवं अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। परामर्शदाता लवकेश मोरसे ने बताया कि यह अभियान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इसमें विकासखंड समन्वयक राजू मांडवे, जिला समन्वयक प्रिया चौधरी एवं संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी के निर्देशन में कार्य किया जा रहा है। बताया कि परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद श्री मोहन नागर के मार्गदर्शन में पूरे मध्यप्रदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। अभियान के तहत गांव-गांव में विलुप्त हो चुके जल स्रोतों जैसे तालाब, कुएं, बावड़ी, नाले एवं छोटी नदियों का पुनर्जीवन ग्रामीणों के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम को जन आंदोलन का रूप देने के लिए जल संगोष्ठी, प्रभात फेरी एवं ग्राम चौपाल जैसे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में इंजीनियरिंग के छात्र की मौत

बैतूल। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक इंजीनियरिंग के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्र दोपहर में अपने घर पर सोया था, लेकिन शाम तक वह नहीं उठा। परिजनों ने जब उसे देखा तो हड़कंप मच गया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान प्रकाश उइके (28) के रूप में हुई है। वह दोपहर में अपने घर पर सो रहा था। उसके घर में एक किराना दुकान भी है। घटना के समय उसने अपने बड़े भाई को कुछ सामान लेने के लिए बैतूल भेजा था। घर पर उस वक्त प्रकाश और उसके चाचा का लड़का ही मौजूद थे। शाम करीब 7 बजे जब उसका बड़ा भाई वापस लौटा, तो चाचा के लड़के ने प्रकाश को जगाने की कोशिश की,

चेहरे से सीने तक काला पड़ा शरीर

भाई जगाने पहुंचा तो लगा पता

लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद बड़े भाई राजू को सूचना दी गई। पास जाकर देखने पर पता चला कि प्रकाश की सांसें नहीं चल रही थीं। मृतक के चेहरे से लेकर सीने तक का शरीर काला पड़ा हुआ था। प्रथम दृष्टया सांप के काटने या किसी अन्य अज्ञात कारण से मौत की आशंका जताई जा रही है। प्रकाश उइके इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष का छात्र बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। जांच के बाद मौत के कारणों का पता चलेगा।

नागझिरी से निकली शोभायात्रा श्रद्धालुओं ने किए झांकी दर्शन

भैंसदेही। पूर्णा नगरी भैंसदेही स्थित चमत्कारिक संत श्रीश्री 1008 त्रिवेणी भारती नागादाद संस्थान से आज तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव का शुभारंभ हुआ नागा दादा पुण्यतिथि उत्सव पर आज प्रथम दिवस संस्थान से नागा दादा की विशाल शोभायात्रा निकाली गयी , जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सम्मिलित हो नागा दादा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की । नागझिरी संस्थान से आकर्षक साथ सज्जा के साथ संत श्री नागा दादा की सुंदर झांकी निकाली गयी, सुंदर सजे घोड़े शोभायात्रा में आकर्षण का केन्द्र ? रहे, संत श्री की झांकी नगर के प्रमुख मार्ग प्राचीन शिवालय, मरही माता चौक, करार मोहल्ला, मस्जिद चौक, मंगलवारी मोहल्ला, सुधार मोहल्ला , से होकर धर्माल मोहल्ला चौक होकर देर-रात नागझिरी संस्थान पहुंची, जहां संत नागा दादा का पूजन इस वार्षिक उत्सव के प्रथम चरण का शुभारंभ हुआ, शोभायात्रा मार्ग में बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं ने संत श्री की झांकी के दर्शन कर पूजा- अर्चना कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। ढोल ताशे की धून पर दादानाम संकिर्तन के साथ युवा वर्ग झुमते हुए दादा नाम का जयकारा लगाते रहे। संस्थान के अध्यक्ष कृष्णा झाड़े, सहित राजू जोशी, नागा दादा के चरण सेवक मनोहर राजूरकर इस पुरी शोभायात्रा में व्यवस्था बनाते सक्रिय रहे।

बैतूल में रश्मि, सावन्या सहित छह को जिम्मेदारी

बैतूल। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने बैतूल जिले की बैतूल, आमला, मुलताई और सारनी नगरपालिका में एल्डरमैन नियुक्त किए हैं। यह आदेश विभाग द्वारा जारी किया गया है। नगर पालिका परिषद बैतूल में 6 एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं। इनमें रश्मि साहू, मनप्रीतसिंह (मिन्ना) अहलूवालिया, सावन्या शेषकर, नीतेश वर्मा, राजू सोनकपुरिया और कैलाश यादव शामिल हैं। इसी तरह, नगर पालिका परिषद आमला में गोविंद बघेल, सपना सोनी, बसंत ओडुकले, गोपाल खतारे, सुरेखा मराठे और आरती पाटिल को एल्डरमैन बनाया गया है। नगर

पालिका परिषद मुलताई के लिए सुनीता नागले, बीना पंजाबी, श्यामू धोमने, प्रीतम सिसोदिया, राजू चौबे और नीलेश चांवरिया के नाम सूची में हैं। वहीं, नगर पालिका परिषद सारनी में रमेश किशन पंवार, विनय मदने, सरोज विश्वकर्मा, सुनीता यादव, रमेश हारोडे और संजीत कुमार चौधरी को एल्डरमैन नियुक्त किया गया है। राज्य शासन द्वारा ये नियुक्तियां मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 के तहत की गई हैं। ये नियुक्तियां आगामी आदेश तक प्रभावी रहेंगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने प्रदेशभर की कुल 46 नगरपालिकाओं में एल्डरमैन नियुक्त किए हैं।

सांदीपनि विद्यालय में आयोजित हुआ प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

बैतूल। घोड़ाडोंगरी के सांदीपनि विद्यालय में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 11.30 से प्रारंभ यह कार्यक्रम शाम के 4 बजे तक चला, जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में घोडाडोंगरी विधायक एवं भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, घोड़ाडोंगरी नगर परिषद उपाध्यक्ष सोनू खनूजा एवं क्षेत्रीय सरपंचगण, पालक एवं क्षेत्र के गण मान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के तहत सर्वप्रथम माँ सरस्वती की मूर्ति का अनावरण किया गया। जिसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन : जल मंदिर प्याऊ की स्थापना

बैतूल। जिले के विकासखंड घोड़ाडोंगरी अंतर्गत ग्राम कान्हावाड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 जल शक्ति से नव भक्ति के प्रथम चरण के अंतर्गत जल मंदिर प्याऊ की स्थापना की गई।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य गर्मी के मौसम में राहगीरों एवं ग्राम वासियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कान्हावाड़ी, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं, परामर्शदाता, ब्लॉक

समन्वयक जन अभियान परिषद सहित जनजाति शिक्षा से जुड़ी कार्यकर्ता बहनों एवं ग्राम वासियों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली।

जल चौपाल आयोजित कर सभी वक्ताओं ने जल संरक्षण एवं जल सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल समाज के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा अधिक से अधिक जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र किए वितरित

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में बैतूल में भूकम्प पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के तहत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में सोनाघाटी होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित 05 दिवसीय भूकम्प आपदा जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण 25 मार्च से 29 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विभागों के प्राचार्य, स्वास्थ्य विभाग एवं आयुष विभाग के चिकित्सक, नगर पालिका एवं पंचायत सचिव, पुलिस विभाग तथा सिविल

डिफेन्स के वालेंटियरों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य भूकंप जैसी आपदा से पूर्व तैयारी एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की क्षमता का विकास करना था। इस प्रशिक्षण के अंतिम दिवस के प्रथम सत्र में भूकंप से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रबंधन की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के भूपेन्द्र सिंह एवं जिला चिकित्सालय के हरी वाघमारे द्वारा बर्न जलने की स्थिति से बचाव एवं उपचार की जानकारी दी गई। जिला सेनानी इन्दल उपनारे एवं प्लाटून कमाण्डर सुनीता पन्द्रे ने आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके योगदान की सराहना की गई। इस दौरान प्लाटून कमाण्डर सुनीता पन्द्रे, एएसआई वीरनसिंह कुशराम, हवलदार अनुदेशक बलीराम सरयाम, हवलदार स्टोरमैन अवधेश वर्मा सहित होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के जवान तथा संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक | आगामी त्यौहारों को लेकर पुलिस और राजस्व की समन्वय बैठक आयोजित

परस्पर समन्वय से जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखें : कलेक्टर

नवभारत न्यूज

बैतूल, 29 मार्च. कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि राजस्व और पुलिस विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखें।

त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था करें सुनिश्चित

नियमानुसार हो ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग

आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के

माध्यम से आयोजित पुलिस एवं राजस्व विभाग की समन्वय बैठक में जिले के सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार एवं थाना प्रभारियों को दिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि दुर्घटनाओं के मामलों में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा घायलों को व्यवस्थित उपचार मिले। राहवीर और पीएम राहत योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जाए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व से संबंधित विवादित प्रकरणों के गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश भी दिए। साथ ही नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं प्रतिबंधात्मक आदेशों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने राजस्व और पुलिस को नगरपालिका से सतत समन्वय बनाए रखने, दमकल एवं एम्बुलेंस सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित रखने तथा आवश्यक अनुमतियां निर्धारित प्रारूप में जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि जिले में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की पर्याप्त और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। सभी ईंधनों के दाम, आवक एवं उपयोग पर नियंत्रण बनाए रखा जाए, ताकि आपूर्ति प्रभावित न हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने कहा कि पुलिस एवं राजस्व के बीच बेहतर समन्वय से कानून व्यवस्था अच्छी बनी रहे। जनहित एवं कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में सतर्क और सजग रहें तथा स्थानीय मुद्दों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जाएं। उन्होंने नरवाई आगजनी की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने, नगरपालिका के साथ समन्वय रखते हुए आग पर शीघ्र नियंत्रण पाने तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, एसडीओपी बैतूल सुनील लाटा , डिप्टी कलेक्टर तृप्ति पटेरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मानस पाठ के साथ संपन्न हुआ नव पारायण

भौंरा। 63 वर्षों से चली आ रही बजरंग मंदिर की नव पारायण परंपरा इस वर्ष भी भव्यता और आस्था के साथ संपन्न हुई। 9 दिनों तक रामचरितमानस की चौपाइयों से गूंजता रहा मंदिर परिसर दशमी तिथि को अभिषेक पूजन, हवन और विशाल भंडारे के साथ अपने चरम पर पहुंचा, जहां नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। शनिवार को नव पारायण के समापन अवसर पर विधिवत अभिषेक पूजन एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। हवन के पश्चात आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद परंपरा अनुसार सर्वप्रथम कन्या भोज प्रारंभ कर भंडारे का शुभारंभ किया गया। भंडारा दोपहर से शुरू होकर देर

शाम तक लगातार चलता रहा। नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए समिति द्वारा मंदिर परिसर के पास विशाल टेंट लगाकर बैठने की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे आयोजन सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। ग्रामवासियों ने अपनी क्षमता के अनुसार अन्न, सामग्री और आर्थिक सहयोग देकर इस आयोजन को सफल बनाया। भोजन परोसने का कार्य भी नगर के वरिष्ठ नागरिकों और स्वयंसेवकों ने सेवा भाव से किया, जो इस परंपरा की आत्मा को दर्शाता है। नवरात्रि के पहले दिन से शुरू हुआ नव पारायण पाठ प्रतिदिन श्रद्धा और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। रामचरितमानस का संपूर्ण पाठ 9 दिनों में पूर्ण किया गया।